मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MVS–011

वास्तुशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी.जी.डी.वी.एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.वी.एस.-011 : वास्तुशास्त्र का स्वरूप एवं इतिहास

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गये अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। $3 \times 20 = 60$

1. वास्तुशास्त्र के आधारभूत सिद्धान्तों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

2. वास्तुशास्त्र की पौराणिक पृष्ठभूमि का परिचय देते हुए रामायण तथा महाभारत में वास्तु के स्वरूप पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।
3. वास्तुशास्त्र के प्रवर्तक आचार्यों का विस्तारपूर्वक परिचय दीजिए।
4. पञ्चमहाभूतों एवं तन्मात्राओं पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।
5. वास्तुशास्त्र की अवधारणा पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।
6. वास्तुशास्त्र एवं ज्योतिष के अन्त:सम्बन्ध पर निबन्ध लिखिए।

खण्ड—ख

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। $4 \times 10 = 40$

7. प्राचीन तथा आधुनिक कालमानों की तुलनात्मक व्याख्या कीजिए।
8. दिक् साधन की प्राचीन तथा आधुनिक विधि का वर्णन कीजिए।
9. वास्तुशास्त्र के परिप्रेक्ष्य में चुम्बकीय शक्तियों पर सविस्तार टिप्पणी लिखिए।
10. कौटिल्य कृत 'अर्थशास्त्र' में वर्णित वास्तु योजना को प्रकाशित कीजिए।

11. वास्तुशास्त्र की उत्पत्ति एवं स्वरूप को विस्तृत रूप से स्पष्ट कीजिए।

12. ज्योतिष और वास्तु के अनुसार ग्रामवास विचार लिखिए।

13. वास्तुदोष और शयनकक्ष पर प्रकाश डालिए।

14. वास्तुशास्त्र के किन्हीं **तीन** मानक ग्रन्थों का वर्णन कीजिए।

× × × × ×